नई दिल्ली। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री,भारत सरकार नितिन गडकरी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. निकिता बहन। साथ हैं ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. मदन भाई तथा ब्र.कु. रमेश भाई।

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,श्रम एवं रोजगार मंत्री जेपी नड्डा को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निकिता बहन, ब्र.कु. सुनैना बहन, ब्र.कु. अशोक भाई तथा ब्र.कु. मदान भाई।

पटना-बिहार। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आरलेकर को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारीज़ कंकड़बाग सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. संगीता बहन। इस मौके पर ब्र.कु. आशा बहन,माउण्ट आबू ने राज्यपाल को ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में आने का निमंत्रण भी दिया।

भुवनेश्वर-ओडिशा। माननीय मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गीता बहन,उपज़ोन प्रभारी यूनिट-9 ब्रह्माकुमारीज़ तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

शिमला-हि.प्र.। माननीय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के शिमला पंथाघाटी सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. रजनी बहन। साथ हैं ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. ओम प्रकाश, ब्र.कु. रितू तथा अन्य।

अगरतला-त्रिपुरा। दरबारी हॉल,राजभवन में माननीय राज्यपाल नल्लू इंद्रसेन को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में उपस्थित हैं ब्र.कु. बहनें एवं भाई।

कूचबेहर-प.बंगाल। रक्षाबंधन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए विधायक निखिल रंजन डे, बृहन्नला प्रमुख चांदनी विश्वास,समाज सेविका तथा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. संपा बहन।

पटना-बिहार। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. आशा बहन,माउण्ट आबू।

हमें वो करना है जो हमारे और दूसरों के लिए सही है

प्रॉब्लम को छोड़ सॉल्यूशन की ओर चलें...

- गतांक से आगे...

आपने पिछले अंक में पढ़ा कि तो जो सब लोग कर रहे हैं वो सही हो गया। ये नहीं देखते कि जो सब लोग कर रहे हैं वो सभी लोगों का रिज़ल्ट क्या है, वो सब कर-कर के। जो सब लोग कर रहे हैं वो भी हम करेंगे, तो जो सबका रिज़ल्ट होगा वो ही फिर हमारा भी रिज़ल्ट होगा। अगर हम अच्छा कोई और रिज़ल्ट चाहते हैं तो हमें कुछ डिफ्रेंट करना पड़ेगा। और उसके लिए हमें डिफ्रेंट सोचना पड़ेगा।

जब भी कोई परिस्थिति आयेगी तो आपके पास दस लोग आयेंगे राय देने के लिए। और दस लोग जो राय देंगे उस टाइम वो एक बहुत ऑर्डनरी थॉट होगी। नहीं-नहीं ऐसा तो आपको करना ही चाहिए। उनको ऐसे ही थोड़े छोड़ दोगे आप। ऐसे ही उन्होंने इतनी बड़ी गलती कर दी उनको आप ऐसे ही छोड़ देंगे? आप उनको कुछ बोलोगे भी नहीं। ऐसे नहीं करना। आप कुछ नहीं बोलोगे तो वो चार बार और करेंगे। ये राय देने के लिए बहुत लोग हैं आस-पास। इसको हम कहेंगे ऑर्डनरी थिंकिंग। वास्तव में ये ऑर्डनरी नहीं ये निगेटिव थिंकिंग है। लेकिन हमारे पास कैपेसिटी है उस साधारण से ऊपर चढ़ने की? हाँ, उन्होंने किया लेकिन कोई बात नहीं। मुझे उस बात को इतना बड़ा नहीं बनाना है। ये वो ही कर सकेगा जो अपने और अपने परिवार के बारे में सोचता है। लेकिन जिसने ये ज़िम्मेवारी उठाई हुई है कि दुनिया के गलत को सुधारना मेरी ज़िम्मेदारी है। वो ज़्यादातर किसके बारे में सोचेगा, उनके बारे में सोचेगा।

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

उनको सुधारने की सोचेगा। और फिर क्या होगा, न वो सुधरेंगे बिल्क हम भी बिगड़ जायेंगे। क्योंकि हम भी भर जाते हैं, किस चीज़ से? फिर गुस्सा, फिर चिंतन, फिर नफरत, फिर वो चलता जाता, चलता जाता। और सबसे डैमेजिंग चीज़ कि घर में फिर वो ही बातें होने लगती हैं सिर्फ। अपने पर रहम करें और अपने से प्यार करें। ऐसी बातें करना बंद करें। हम ये सोचते हैं कि जितना उसके बारे में बात करेंगे तो सॉल्यूशन निकलेगा। ज़हर का जितना भी मंथन करेंगे तो वो ज़हर ही निकलेगा। उसके बारे में करते जाते, करते जाते, बोलते जाते, बोलते जाते। जितना उसके बारे में बोलते जायेंगे वो ही वायब्रेशन पूरे घर में फैल जायेगा।

दूसरे को जिसके साथ हुआ है हम उसको कहते हैं भूल जाओ उस बात को। अभी वो भूले कैसे? उसको कोई भूलने देगा? भूलने देते हैं हम उसको। गलती से अगर दो मिनट चुप हो जाये तो हम फिर से वही टॉपिक स्टार्ट कर देंगे। अगर चाहिए कि कोई किसी चीज़ को भूल जाये जो पास्ट में हुआ है, तो अटेन्शन! वो बात, वो परिस्थिति और वो व्यक्ति हमारे घर में, हमारी वाणी में, हमारे चित्त पर अन्दर में कभी नहीं आना चाहिए।

वो वायब्रेशन मन से खत्म हो जाना चाहिए। तब तो वो खत्म कर सकेगा। अगर घर के सारे लोग उस बात के बारे में सोचना बंद करते हैं तो उसके साथ हुआ जो कुछ धीरे-धीरे वो भी भूल जायेगा। बोलना भी बंद करना है, साथ-साथ सोचना भी बंद करना है। अभी उस बात पर फुल स्टॉप लगाओ, उस टॉपिक पर बात नहीं करो। बहुत हो चुका। प्रॉब्लम को छोड़ सॉल्यूशन की तरफ चलें।

- क्रमशः

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on

E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000
Website: www.omshantimedia.org